



## विचार बिन्दु

चरित्र के बिना ज्ञान बुराई की ताकत बन जाता है। जैसे कि दुनिया के कितने ही चालक चोरों और भले मानुष बदमाशों के उदाहरण से स्पष्ट है।

-महात्मा गांधी

## ड्राइंग रूम तक पहुंच बनाती डिजिटल ड्रग्स

**ब**

हुत कम समय में ड्राइंग रूम से बेड रूम और बच्चे से बुजुर्ग तक डिजिटल ड्रग्स ने अपनी पहुंच बना ली है देखा जाए तो आज डिजिटल ड्रग्स यानी जिन वाचिंग यानी साइकोसोमैटिक डिसआर्डर से अलग अछूता नहीं रहा है। दरअसल जिसके पास भी ऐंड्रोइड फोन है उनमें से मानस व्हाइट 1 प्रतिशत को अपवाद खरूप छोड़ दिया जाए तो बाकी कमोवेस इसके बुरी तरह से शिकाह हो चुके हैं। कोई रील्स में व्यस्त है, तो कोई फेसबुक, एक्स या टेलीग्राम या इससे मिलते-जुलते विस्तीर्ण लत से ग्रस्त है तो कोई वीडियो गेम सहित तह-तरह के गेम्स या रिंग यू ट्यूब की लत से ग्रस्त हो चुका है। आईटी प्लेटफॉर्म भी इसे विस्तारित किया है। सोशियल मीडिया से जुड़ नहीं रहता है। देखा जाए तो अब तो एक कर्डे में बैठे हुए परिजनों के बीच संवाद भी दूर हो रही है। इसे एक नए नए कमर नहीं है। अपितु कुंठा, तनाव, नास, डिमेन्शन, अनिद्रा और नाजने इसी तरह की कई प्रकार की मोमोविकारों बीमारी से लोग ग्रसित हो रहे हैं।

नोस के बीच में इन्हें कम समय में घर-घर तक पहुंच बनाने का तात्पर्य था; यह पहला नशा है। केवल और केवल 21 साल से ज्यादा वाचिंग ड्रग्स-दुनिया में घर-घर में अपनी जाह बना चुका है। यह नए जमाने का नए तरह का नशा है। इसके की भाषा में यह डिजिटल ड्रग्स है और मेडिकल की भाषा में कहा जाए तो यह एक तरह की ओर बीमारी है जिसे मनोचिकित्सक साइकोसोमैटिक डिसआर्डर कह कर पुकारने लगे हैं। सबसे मजे की बात यह है कि इसके किसी ना किसी रूप से याना-क्या बुजुर्ग और क्या पुरुष, यहां तक कि बच्चे तक इसके जरूर जरूर जाए तो जारी है। यह नए जमाने का नशा कहने वाला जुनून, सीधे दिमाग पर असर डालता है। आम बालवाल की भाषा में बात करें तो जिस डिजिटल ड्रग्स या जिन वाचिंग की सीधी-सीधी अर्थ है कि किसी सीरिज या इसी तरह के कार्यक्रम, गेम आदि को एक ही सीटिंग में पूरा करने की जिद या सीरियल या बेब सीरिज के उपलब्ध सारे एप्लिकेशन के देखने का जुनून है। यह एक प्रकार की लत है और आईटी प्लेटफॉर्म के आने के बाद इसका प्रभाव अधिक ही हो गया है। बेब सीरिज ने इसे और अधिक लोकप्रिय बना दिया है तो वीडियो गेम खासी तरह से मोबाइल एवं इंटरेक्टिव कार्यक्रम, सोशियल मीडिया जिसमें लोगों ने लोगों की लत तो रील्स बनाने, फेसबुक, इंस्टाग्राम में अपलोड करने और उन पर आने वाले एप्लिकेशन को लेकर तात्पर्य में रहना एक तरह से इसी श्रेणी में रहा।

बिंज वाचिंग शब्द पहली बार 2003 में जन्म आया, 2013 में यह अधिक लोकप्रिय हुआ। नेटफ्लॉक्स के इसी तरह के ओईटी आधारित प्लेटफॉर्म ने घर भर में इसे पहुंचा दिया और आज तो जिस तरह से बेब सीरिज का मार्केट उछल रहा है उसी तरह से बेब सीरिज के उपलब्ध कराने के एक ही सीटिंग में देखने का नशा चढ़ने लगा है। दूसरे नशों की तरह ही इस तरह की लत व्यक्ति के दिमाग पर सीधी असर करती है। इसके चलते व्यक्ति में एककीपी, चिडिङ्डामन, अनिद्रा, दैनिक व्यायाम भी तरह की लत तो बेब सीरिज के द्वाल करने की लत तो रील्स बनाने, फेसबुक, इंस्टाग्राम में अपलोड करने और उन पर आने वाले एप्लिकेशन को लेकर तात्पर्य में रहना एक तरह से इसी श्रेणी में रहा।

बिंज वाचिंग शब्द पहली बार 2003 में जन्म आया, 2013 में यह अधिक लोकप्रिय हुआ। नेटफ्लॉक्स के इसी तरह के ओईटी आधारित प्लेटफॉर्म ने घर भर में इसे पहुंचा दिया और आज तो जिस तरह से बेब सीरिज का मार्केट उछल रहा है उसी तरह से बेब सीरिज के उपलब्ध कराने के एक ही सीटिंग में देखने का नशा चढ़ने लगा है। दूसरे नशों की तरह ही इस तरह की लत व्यक्ति के दिमाग पर सीधी असर करती है। इसके चलते व्यक्ति में एककीपी, चिडिङ्डामन, अनिद्रा, दैनिक व्यायाम भी तरह की लत तो बेब सीरिज के द्वाल करने की लत तो रील्स बनाने, फेसबुक, इंस्टाग्राम में अपलोड करने और उन पर आने वाले एप्लिकेशन को लेकर तात्पर्य में रहना एक तरह से इसी श्रेणी में रहा।

किसी ना किसी रूप से क्या युवा-क्या बुजुर्ग और क्या पुरुष और क्या महिलाएं, यहां तक कि बच्चे तक इसकी जद में आते जा रहे हैं। यह नए जमाने का नशा कहने वाला जुनून, सीधे दिमाग पर असर डालता है। आम बालवाल की भाषा में बात करें तो जिस डिजिटल ड्रग्स या जिन वाचिंग की सीधी-सीधी अर्थ है कि किसी सीरिज या इसी तरह के कार्यक्रम, गेम आदि को एक ही सीटिंग में पूरा करने की जिद या सीरियल या बेब सीरिज के उपलब्ध सारे एप्लिकेशन के देखने का जुनून है। यह एक प्रकार की आने के बाद इसका प्रभाव अधिक ही हो गया है। बेब सीरिज ने इसे और अधिक लोकप्रिय बना दिया है तो वीडियो गेम खासी तरह से मोबाइल एवं इंटरेक्टिव कार्यक्रम, सोशियल मीडिया जिसमें लोगों ने लोगों की लत तो रील्स बनाने, फेसबुक, इंस्टाग्राम में अपलोड करने और उन पर आने वाले एप्लिकेशन को लेकर तात्पर्य में रहना एक तरह से इसी श्रेणी में रहा।

जिसकी जद में आते जा रहे हैं। यह नए जमाने का नशा कहने वाला जुनून, सीधे दिमाग पर असर डालता है।

लाल नेहर मेडिकल कॉलेज मायांग अस्पताल के मोमोविकारों वाली साइकोसोमैटिक डिसआर्डर के मरीजों की संख्या तोड़ ली गयी है।

दरअसल जद में आते जा रहे हैं। यह एक तरह का बेब सीरिज के उपलब्ध सारे एप्लिकेशन के चलते होता है और प्रोमोज देखकर लोगों में सार्वसेवन बनाता है। यह एक तरह का बेब सीरिज के उपलब्ध सभी एप्लिकेशन को देखकर ही बुजुर्ग और क्या पुरुष, यहां तक कि बच्चे तक इसके जरूर जरूर जाए तो जारी है। यह एक प्रकार की आने के बाद इसका प्रभाव अधिक ही हो गया है। बेब सीरिज ने इसे और अधिक लोकप्रिय बना दिया है तो वीडियो गेम खासी तरह से मोबाइल एवं इंटरेक्टिव कार्यक्रम, सोशियल मीडिया जिसमें लोगों ने लोगों की लत तो रील्स बनाने, फेसबुक, इंस्टाग्राम में अपलोड करने और उन पर आने वाले एप्लिकेशन को लेकर तात्पर्य में रहना एक तरह से इसी श्रेणी में रहा।

इसका सबसे बड़ा असर जहा व्यक्ति के स्वर्ण के स्वास्थ्य पर, अंगों पर, दिमाग पर पड़ता है वहीं इसका असर सामाजिक ताने-बाने पर भी देखा जा सकता है। बिंज वाचिंग के शिकाह की भाषा में यहां तक कि बेब सीरिज के रिलिएट होते ही व्यक्ति सोचता है कि मैं तो अभी और इसी साथ इसके उपलब्ध सभी एप्लिकेशन को देखकर ही दूसरा काम करूँ। यह एक तरह का बेब सीरिज के उपलब्ध कराने के लिए एक तरह की लत होती है। यह एक प्रकार की आने के बाद इसका प्रभाव अधिक ही हो गया है। बेब सीरिज ने इसे और अधिक लोकप्रिय बना दिया है तो वीडियो गेम खासी तरह से मोबाइल एवं इंटरेक्टिव कार्यक्रम, सोशियल मीडिया जिसमें लोगों ने लोगों की लत तो रील्स बनाने, फेसबुक, इंस्टाग्राम में अपलोड करने और उन पर आने वाले एप्लिकेशन को लेकर तात्पर्य में रहना एक तरह से इसी श्रेणी में रहा।

इसका सबसे बड़ा असर जहा व्यक्ति के स्वर्ण के स्वास्थ्य पर, अंगों पर, दिमाग पर पड़ता है वहीं इसका असर सामाजिक ताने-बाने पर भी देखा जा सकता है। बिंज वाचिंग के शिकाह की भाषा में यहां तक कि बेब सीरिज के रिलिएट होते ही व्यक्ति सोचता है कि मैं तो अभी और इसी साथ इसके उपलब्ध सभी एप्लिकेशन को देखकर ही दूसरा काम करूँ। यह एक तरह का बेब सीरिज के उपलब्ध कराने के लिए एक तरह की लत होती है। यह एक प्रकार की आने के बाद इसका प्रभाव अधिक ही हो गया है। बेब सीरिज ने इसे और अधिक लोकप्रिय बना दिया है तो वीडियो गेम खासी तरह से मोबाइल एवं इंटरेक्टिव कार्यक्रम, सोशियल मीडिया जिसमें लोगों ने लोगों की लत तो रील्स बनाने, फेसबुक, इंस्टाग्राम में अपलोड करने और उन पर आने वाले एप्लिकेशन को लेकर तात्पर्य में रहना एक तरह से इसी श्रेणी में रहा।

इसका सबसे बड़ा असर जहा व्यक्ति के स्वर्ण के स्वास्थ्य पर, अंगों पर, दिमाग पर पड़ता है वहीं इसका असर सामाजिक ताने-बाने पर भी देखा जा सकता है। बिंज वाचिंग के शिकाह की भाषा में यहां तक कि बेब सीरिज के रिलिएट होते ही व्यक्ति सोचता है कि मैं तो अभी और इसी साथ इसके उपलब्ध सभी एप्लिकेशन को देखकर ही दूसरा काम करूँ। यह एक तरह का बेब सीरिज के उपलब्ध कराने के लिए एक तरह की लत होती है। यह एक प्रकार की आने के बाद इसका प्रभाव अधिक ही हो गया है। बेब सीरिज ने इसे और अधिक लोकप्रिय बना दिया है तो वीडियो गेम खासी तरह से मोबाइल एवं इंटरेक्टिव कार्यक्रम, सोशियल मीडिया जिसमें लोगों ने लोगों की लत तो रील्स बनाने, फेसबुक, इंस्टाग्राम में अपलोड करने और उन पर आने वाले एप्लिकेशन को लेकर तात्पर्य में रहना एक तरह से इसी श्रेणी में रहा।

इसका सबसे बड़ा असर जहा व्यक्ति के स्वर्ण के स्वास्थ्य पर, अंगों पर, दिमाग पर पड़ता है वहीं इसका असर सामाजिक ताने-बाने पर भी देखा जा सकता है। बिंज वाचिंग के शिकाह की भाषा में यहां तक कि बेब सीरिज के रिलिएट होते ही व्यक्ति सोचता है कि मैं तो अभी और इसी साथ इसके उपलब्ध सभी एप्लिकेशन को देखकर ही दूसरा काम करूँ। यह एक तरह का बेब सीरिज के उपलब्ध कराने के लिए एक तरह की लत होती है। यह एक प्रकार की आने के बाद इसका प्रभाव अधिक ही हो गया है। बेब सीरिज ने इसे और अधिक लोकप्रिय बना दिया











